Gen

Chapter 45

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וְלֹא־	יָכֹל	יוֹסֵף	לְהִתְאַפֵּק	לְכֹל	הַנִּצָּבִים	עָלָיו	וַיִּקְרָא	הוֹצִיאוּ	כָל־
और–नहीं	सका	यूसुफ़	रोकना	सब–के–लिए	खड़े–हुए	उसके–पास	और–पुकारा	निकालो	सब
H3808	H3201	H3130	H0662	H3605	H5324		H7121	H3318	H3605

אִישׁ	מֵעָלָי	וְלֹא־	עָמַד	אִישׁ	אִתּוֹ	בְּהִתְוַדַּע	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו׃
मनुष्य–को	मेरे–पास–से	और–नहीं	खड़ा–रहा	मनुष्य	उसके–साथ	जब–पहचान–दी	यूसुफ़–ने	को	भाइयों–अपने
H0376		H3808	H5975	H0376	H0854	H3045	H3130	H0413	H0251

> यूसुफ अपने को और अधिक न संभाल सका। वह वहाँ उपस्थित सभी लोगों के सामने हो पड़ा। यूसुफ ने कहा, “हर एक से कहो कि यहाँ से हट जाए।” इसलिए सभी लोग चले गये। केवल उसके भाई ही यूसुफ के साथ रह गए। तब यूसुफ ने उन्हें बताया कि वह कौन है।

2

וַיִּתֵּן	אֶת־	קֹלוֹ	בִּבְכִי	וַיִּשְׁמְעוּ	מִצְרַיִם	וַיִּשְׁמַע	בֵּית	פַּרְעֹה׃
और–उठाई	को	आवाज़–अपनी	रोने–में	और–सुना	मिस्र–ने	और–सुना	घर–ने	फ़िरौन–के
H5414	H0853		H1065	H8085	H4713	H8085		H6547

> यूसुफ रोता रहा, और फ़िरौन के महल के सभी मिस्री व्यक्तियों ने सुना।

3

וַיֹּאמֶר	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו	אֲנִי	יוֹסֵף	הַעוֹד	אָבִי	חָי	וְלֹא־	יָכְלוּ
और–कहा	यूसुफ़–ने	से	भाइयों–अपने	मैं–हूँ	यूसुफ	क्या–अभी–तक	पिता–मेरा	जीवित–है	और–नहीं	सके
H0559	H3130	H0413	H0251	H0589	H3130	H5750	H0001		H3808	H3201

אֶחָיו	לַעֲנוֹת	אֹתוֹ	כִּי	נִבְהֲלוּ	מִפָּנָיו׃
भाई–उसके	उत्तर–देना	उसे	क्योंकि	घबरा–गए–थे	सामने–से–उसके
H0251		H0853		H0926	H6440

> यूसुफ ने अपने भाईयों से कहा, “मैं आप लोगों का भाई यूसुफ हूँ। क्या मेरे पिता सकुशल हैं?” किन्तु भाईयों ने उसको उत्तर नहीं दिया। वे डरे हुए तथा उलझान में थे।

4

וַיֹּאמֶר	יוֹסֵף	אֶל־	אֶחָיו	גְּשׁוּ־	נָא	אֵלַי	וַיִּגָּשׁוּ	וַיֹּאמֶר	אֲנִי	יוֹסֵף
और–कहा	यूसुफ़–ने	से	भाइयों–अपने	पास–आओ	कृपया	मेरे–पास	और–पास–आए	और–कहा	मैं–हूँ	यूसुफ़
H0559	H3130	H0413	H0251	H5066	H4994	H0413	H5066	H0559	H0589	H3130

אֲחִיכֶם	אֲשֶׁר־	מְכַרְתֶּם	אֹתִי	מִצְרָיְמָה׃
भाई–तुम्हारा	जिसे	बेचा–तुमने	मुझे	मिस्र–को
H0251		H4376	H0853	H4714

> इसलिए यूसुफ ने अपने भाईयों से फिर कहा, “मेरे पास आओ।” इसलिए यूसुफ के भाई निकट गए और यूसुफ ने उनसे कहा, “मैं आप लोगों का भाई यूसुफ हूँ। मैं वहीं हूँ जिसे मिस्रियों के हाथ आप लोगों ने दास के रूप में बेचा था।

5

וְעַתָּה	אַל־	תֵּעָצְבוּ	וְאַל־	יִחַר	בְּעֵינֵיכֶם	כִּי־	מְכַרְתֶּם	אֹתִי	הֵנָּה	כִּי
और–अब	न	उदास–हो	और–न	जले	आँखों–में–तुम्हारी	कि	बेचा–तुमने	मुझे	यहाँ	क्योंकि
H6258	H0408		H0408	H2734			H4376	H0853	H2008	

לְמִחְיָה	שְׁלָחַנִי	אֱלֹהִים	לִפְנֵיכֶם׃
जीवन–के–लिए	भेजा–मुझे	परमेश्वर–ने	आगे–तुम्हारे
H4241	H7971	H0430	H6440

> अब परेशान न हों। आप लोग अपने किए हुए के लिए स्वयं भी पश्चाताप न करें। वह तो मेरे लिए परमेश्वर की योजना थी कि मैं यहाँ आऊँ। मैं यहाँ तुम लोगों का जीवन बचाने के लिए आया हूँ।

6

כִּי־	זֶה	שְׁנָתַיִם	הָרָעָב	בְּקֶרֶב	הָאָרֶץ	וְעוֹד	חָמֵשׁ	שָׁנִים	אֲשֶׁר	אֵין־	חָרִישׁ
क्योंकि	यह	दो-साल	अकाल	बीच-में	भूमि-के	और-अभी	पाँच	साल	जिनमें	नहीं-है	जोताई
	H2088	H8141	H7458	H7130	H0776	H5750	H2568	H8141		H0369	H2758

וְקָצִיר׃
और-कटाई

यह भयंकर भूखमरी का समय दो वर्ष ही अभी बीता है और अभी पाँच वर्ष बिना पौधे रोपने या उपज के आएँगे।

7

וַיִּשְׁלָחֵנִי	אֱלֹהִים	לִפְנֵיכֶם	לָשׂוּם	לָכֶם	שְׁאֵרִית	בָּאָרֶץ	וּלְהַחֲיוֹת	לָכֶם
और-भेजा-मुझे	परमेश्वर-ने	आगे-तुम्हारे	रखने-के-लिए	तुम्हें	बचे-हुए	भूमि-में	और-जिलाने-के-लिए	तुम्हें
H7971	H0430	H6440			H7611	H0776	H2421	

לִפְלֵיטָה	גְּדֹלָה׃
बचाव-के-लिए	बड़े
H6413	

इसलिए परमेश्वर ने तुम लोगों से पहले मुझे यहाँ भेजा जिससे मैं इस देश में तुम लोगों को बचा सकूँ।

8

וְעַתָּה	לֹא־	אַתֶּם	שְׁלַחְתֶּם	אֹתִי	הֵנָּה	כִּי	הָאֱלֹהִים	וַיְשִׂימֵנִי	לְאָב
और-अब	नहीं	तुमने	भेजा	मुझे	यहाँ	बल्कि	परमेश्वर-ने	और-रखा-मुझे	पिता-के-रूप-में
H6258	H3808		H7971	H0853	H2008		H0430		H0001

לְפַרְעֹה	וּלְאָדוֹן	לְכָל־	בֵּיתוֹ	וּמֹשֵׁל	בְּכָל־	אֶרֶץ	מִצְרָיִם׃
फ़िरौन-के-लिए	और-स्वामी-के-रूप-में	सब-के	घर-के-उसके	और-शासक-के-रूप-में	सब-पर	देश	मिस्र-के
H6547	H0113	H3605		H4910	H3605	H0776	H4714

यह आप लोगों का दोष नहीं था कि मैं यहाँ भेजा गया। वह परमेश्वर की योजना थी। परमेश्वर ने मुझे फ़िरौन के पिता सदृश बनाया। ताकि मैं उसके सारे घर और सारे मिस्र का शासक रहूँ।”

9

מַהֲרוּ	וַעֲלוּ	אֶל־	אָבִי	וַאֲמַרְתֶּם	אֵלָיו	כֹּה	אָמַר	בִּנְךָ	יוֹסֵף
जल्दी-करो	और-चढ़-जाओ	की-ओर	पिता-के-मेरे	और-कहना	उससे	ऐसा	कहा	बेटे-ने-तेरे	यूसुफ़-ने
	H5927	H0413	H0001	H0559	H0413	H3541	H0559		H3130

שָׂמַנִי	אֱלֹהִים	לְאָדוֹן	לְכָל־	מִצְרָיִם	רְדָה	אֵלַי	אַל־	תַּעֲמֹד׃
रखा-मुझे	परमेश्वर-ने	स्वामी-के-रूप-में	सब-के	मिस्र-पर	उतर-आओ	मेरे-पास	न	ठहरो
	H0430	H0113	H3605	H4714	H3381	H0413	H0408	H5975

यूसुफ ने कहा, “इसलिए जल्दी मेरे पिता के पास जाओ। मेरे पिता से कहो कि उसके पुत्र यूसुफ ने यह सन्देश भेजा है: ‘परमेश्वर ने मुझे पूरे मिस्र का शासक बनाया है। मेरे पास आइये। प्रतीक्षा न करें। अभी आएँ।

10

וְיָשַׁבְתָּ	בְאֶרֶץ־	גֹּשֶׁן	וְהָיִיתָ	קָרוֹב	אֵלַי	אַתָּה	וּבָנֶיךָ	וּבְנֵי
और-बसोगे-तुम	देश-में	गोशेन-के	और-होगे-तुम	पास	मेरे	तुम	और-बेटे-तुम्हारे	और-बेटे-के
H3427	H0776	H1657	H1961	H7138	H0413			

בָנֶיךָ	וְצֹאנְךָ	וּבְקָרְךָ	וְכָל־	אֲשֶׁר־	לָךְ׃
बेटों-के-तुम्हारे	और-भेड़ें-तुम्हारी	और-गायें-तुम्हारी	और-सब	जो	तुम्हारा-है
	H6629	H1241	H3605		

आप मेरे निकट गीरोत प्रदेश में रहेंगे। आपका, आपके पुत्रों का, आपके सभी जानवरों एवं झुण्डों का यहाँ स्वागत है।

11

וְכִלְכַּלְתִּי	אֹתְךָ	שָׁם	כִּי־	עוֹד	חָמֵשׁ	שָׁנִים	רָעָב	פֶּן־	תִּוָּרֵשׁ	אַתָּה
और-पालूँगा-मैं	तुम्हें	वहाँ	क्योंकि	अभी	पाँच	साल	अकाल	कहीं	ग़रीब-हो-जाओ	तुम
H3557	H0853	H8033		H5750	H2568	H8141	H7458	H6435	H3423	

וּבֵיתְךָ	וְכָל־	אֲשֶׁר־	לָךְ׃
और-घर-तुम्हारा	और-सब	जो	तुम्हारा-है
	H3605		

भुखमरी के अगले पाँच वर्षों में मैं आपका देखभाल करूँगा। इस प्रकार आपके और आपके परिवार की जो चीज़ें हैं उनसे आपको हाथ धोना नहीं पड़ेगा।’

12

וְהִנֵּה	עֵינֵיכֶם	רֹאוֹת	וְעֵינֵי	אָחִי	בִנְיָמִין	כִּי־	פִּי	הַֽמְדַבֵּר	אֲלֵיכֶם׃
और-देखो	आँखें-तुम्हारी	देख-रही-हैं	और-आँखें	भाई-की-मेरे	बिन्यामीन-की	कि	मुँह	बोल-रहा-है	तुमसे
H2009		H7200		H0251	H1144		H6310	H1696	H0413

> “यूसुफ अपने भाईयों से बात करता रहा। उसने कहा, “अब आप लोग देखते हैं कि यह सचमुच मैं ही हूँ, और आप लोगों का भाई बिन्यामीन जानता है कि यह मैं हूँ। मैं आप लोगों का भाई आप लोगों से बात कर रहा हूँ।

13

וְהִגַּדְתֶּם	לְאָבִי	אֶת־	כָּל־	כְּבוֹדִי	בְּמִצְרַיִם	וְאֵת	כָּל־	אֲשֶׁר	רְאִיתֶם
और-बताना	पिता-को-मेरे	को	सब	वैभव-मेरा	मिस्र-में	और	सब	जो	देखा-तुमने
H5046	H0001	H0853	H3605	H3519	H4714	H0853	H3605		H7200

וּמִהַרְתֶּם	וְהוֹרַדְתֶּם	אֶת־	אָבִי	הֵנָּה׃
और-जल्दी-करना	और-ले-आना	को	पिता-को-मेरे	यहाँ
	H3381	H0853	H0001	H2008

> इसलिए मेरे पिता से मेरी मिस्र की अत्याधिक सम्पत्ति के बारे में कहें। आप लोगों ने जो यहाँ देखा है उस हर एक चीज़ के बारे में मेरे पिता को बताएं। अब जल्दी करो और मेरे पिता को लेकर मेरे पास लौटो।”

14

וַיִּפֹּל	עַל־	צַוְּארֵי	בִנְיָמִן־	אָחִיו	וַיֵּבְךְּ	וּבִנְיָמִן	בָּכָה	עַל־	צַוָּארָיו׃
और-गिरा	पर	गर्दन	बिन्यामीन-की	भाई-अपने	और-रोया	और-बिन्यामीन-ने	रोया	पर	गर्दन-उसकी
H5307			H1144	H0251	H1058	H1144	H1058		

> तब यूसुफ ने अपने भाई बिन्यामीन को गले लगाया और रो पड़ा और बिन्यामीन भी रो पड़ा।

15

וַיְנַשֵּׁק	לְכָל־	אֶחָיו	וַיֵּבְךְּ	עֲלֵיהֶם	וְאַחֲרֵי	כֵן	דִּבְּרוּ	אֶחָיו	אִתּוֹ׃
और-चूमा	सब-को	भाइयों-अपने	और-रोया	उन-पर	और-बाद-में	इसके	बोले	भाई-उसके	उससे
	H3605	H0251	H1058				H1696	H0251	H0854

> तब यूसुफ ने सभी भाईयों को चूमा और उनके लिए रो पड़ा। इसके बाद भाई उसके साथ बातें करने लगे।

16

וְהַקֹּל	נִשְׁמַע	בֵּית	פַּרְעֹה	לֵאמֹר	בָּאוּ	אֲחֵי	יוֹסֵף	וַיִּיטַב	בְּעֵינֵי
और-ख़बर	सुनी-गई	घर-में	फ़िरौन-के	कहते-हुए	आए	भाई	यूसुफ़-के	और-अच्छा-लगा	आँखों-में
	H8085		H6547	H0559	H0935	H0251	H3130	H3190	

פַרְעֹה	וּבְעֵינֵי	עֲבָדָיו׃
फ़िरौन-की	और-आँखों-में	दासों-के-उसके
H6547		H5650

> फ़िरौन को पता लगा कि यूसुफ के भाई उसके पास आए हैं। यह खबर फ़िरौन के पूरे महल में फैल गई। फ़िरौन और उसके सेवक इस बारे में बहुत प्रसन्न हुए।

17

וַיֹּאמֶר	פַּרְעֹה	אֶל־	יוֹסֵף	אֱמֹר	אֶל־	אַחֶיךָ	זֹאת	עֲשׂוּ	טַעֲנוּ	אֶת־
और-कहा	फ़िरौन-ने	से	यूसुफ़-से	कहो	से	भाइयों-अपने	यह	करो	लादो	को
H0559	H6547	H0413	H3130	H0559	H0413	H0251	H2063		H2943	H0853

בְּעִירְכֶם	וּלְכוּ־	בֹאוּ	אַרְצָה	כְּנָעַן׃
जानवरों-पर-अपने	और-जाओ	आओ	देश	कनान-के
H1165	H3212	H0935	H0776	

> इसलिए फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, “अपने भाईयों से कहो कि उन्हें जितना भोजन चाहिए, लें और कनान देश को लौट जाए।

18

וּקְחוּ	אֶת־	אֲבִיכֶם	וְאֶת־	בָּתֵּיכֶם	וּבֹאוּ	אֵלָי	וְאֶתְּנָה	לָכֶם	אֶת־	טוּב	אֶרֶץ
और-लो	को	पिता-अपने	और	घरों-अपने	और-आओ	मेरे-पास	और-दूँगा	तुम्हें	को	अच्छाई	देश
H3947	H0853	H0001	H0853		H0935	H0413	H5414		H0853	H2898	H0776

מִצְרַיִם	וְאִכְלוּ	אֶת־	חֵלֶב	הָאָרֶץ׃
मिस्र-के	और-खाओगे-तुम	को	मलाई	भूमि-की
H4714	H0398	H0853	H2459	H0776

> अपने भाईयों से कहो कि वे अपने पिता और अपने परिवारों को लेकर यहाँ मेरे पास आए। मैं तुम्हें जीविका के लिए मिस्र में सबसे अच्छी भूमि दूँगा और तुम्हारा परिवार सबसे अच्छा भोजन करेगा जो हमारे पास यहाँ है।

19

וְאַתָּה	צֻוֵּיתָה	זֹאת	עֲשׂוּ	קְחוּ־	לָכֶם	מֵאֶרֶץ	מִצְרַיִם	עֲגָלוֹת	לְטַפְּכֶם
और-तुम	आज्ञा-दिए-गए-हो	यह	करो	लो	अपने-लिए	देश-से	मिस्र-के	गाड़ियाँ	बच्चों-के-लिए-तुम्हारे
	H6680	H2063		H3947		H0776	H4714	H5699	H2945

וְלִנְשֵׁיכֶם	וּנְשָׂאתֶם	אֶת־	אֲבִיכֶם	וּבָאתֶם׃
और-पत्नियों-के-लिए-तुम्हारी	और-उठाना	को	पिता-अपने	और-आना
H0802	H5375	H0853	H0001	H0935

> तब फ़िरौन ने कहा, “हमारी सबसे अच्छी गाड़ियों में से कुछ अपने भाईयों को दो। उन्हें कनान जाने और गाड़ियों में अपने पिता, स्त्रियों और बच्चों को यहाँ लाने को कहो।

20

וְעֵינְכֶם	אַל־	תָּחֹס	עַל־	כְּלֵיכֶם	כִּי־	טוּב	כָּל־	אֶרֶץ	מִצְרַיִם	לָכֶם
और-आँख-तुम्हारी	न	तरसे	पर	सामान-तुम्हारे	क्योंकि	अच्छाई	सब-की	देश	मिस्र-के	तुम्हारे-लिए
	H0408	H2347		H3627		H2898	H3605	H0776	H4714	

הוּא׃
है
H1931

> उनकी कोई भी चीज़ यहाँ लाने की चिन्ता न करो। हम उन्हें मिस्र में जो कुछ सबसे अच्छा है, देंगे।”

21

וַיַּעֲשׂוּ־	כֵן	בְּנֵי	יִשְׂרָאֵל	וַיִּתֵּן	לָהֶם	יוֹסֵף	עֲגָלוֹת	עַל־	פִּי	פַרְעֹה
और-किया	ऐसा	बेटों-ने	इस्राएल-के	और-दिया	उन्हें	यूसुफ-ने	गाड़ियाँ	पर	आज्ञा	फ़िरौन-की
			H3478	H5414		H3130	H5699		H6310	H6547

וַיִּתֵּן	לָהֶם	צֵדָה	לַדָּרֶךְ׃
और-दिया	उन्हें	सामान	रास्ते-के-लिए
H5414		H6720	H1870

> इसलिए इस्राएल के पुत्रों ने यही किया। यूसुफ ने फ़िरौन के वचन के अनुसार अच्छी गाड़ियाँ दी और यूसुफ ने यात्रा के लिए उन्हें भरपूर भोजन दिया।

22

לְכֻלָּם	נָתַן	לָאִישׁ	חֲלִפוֹת	שְׂמָלֹת	וּלְבִנְיָמִן	נָתַן	שְׁלֹשׁ	מֵאוֹת	כֶּסֶף	וְחָמֵשׁ
सबों-को	दिया	हर-एक-को	जोड़े	कपड़ों-के	और-बिन्यामीन-को	दिया	तीन	सौ	चाँदी	और-पाँच
H3605	H5414	H0376	H2487	H8071	H1144	H5414	H7969	H3967	H3701	H2568

חֲלִפֹת	שְׂמָלֹת׃
जोड़े	कपड़ों-के
H2487	H8071

> यूसुफ ने हर एक भाई को एक एक जोड़ा सुन्दर वस्त्र दिया। किन्तु यूसुफ ने बिन्यामीन को पाँच जोड़े सुन्दर वस्त्र दिए और यूसुफ ने बिन्यामीन को तीन सौ चाँदी के सिक्के भी दिए।

23

וּלְאָבִיו	שָׁלַח	כְּזֹאת	עֲשָׂרָה	חֲמֹרִים	נֹשְׂאִים	מִטּוּב	מִצְרָיִם	וְעֶשֶׂר	אֲתֹנֹת
और-पिता-के-लिए-अपने	भेजा	ऐसे	दस	गधे	लदे-हुए	अच्छाई-से	मिस्र-की	और-दस	गधियाँ
H0001	H7971	H2063	H6235	H2543	H5375	H2898	H4714	H6235	H0860

נֹשְׂאֹת	בָּר	וָלֶחֶם	וּמָזוֹן	לְאָבִיו	לַדָּרֶךְ׃
लदी-हुई	अनाज	और-रोटी	और-भोजन	पिता-के-लिए-अपने	रास्ते-के-लिए
H5375		H3899	H4202	H0001	H1870

> यूसुफ ने अपने पिता को भी भेंटें भेजी। उसने मिस्र से बहुत सी अच्छी चीज़ों से भरी बोरियों से लदे दस गधों को भेजा और उसने अपने पिता के लिए अन्न, रोटी और अन्य भोजन से लदी हुई दस गदहियों को उनकी वापसी यात्रा के लिए भेजा।

24

וַיְשַׁלַּח	אֶת־	אֶחָיו	וַיֵּלֵכוּ	וַיֹּאמֶר	אֲלֵהֶם	אַל־	תִּרְגְּזוּ	בַּדָּרֶךְ׃
और-भेजा	को	भाइयों-अपने	और-गए	और-कहा	उनसे	न	झगड़ो	रास्ते-में
H7971	H0853	H0251	H3212	H0559	H0413	H0408	H7264	H1870

> तब यूसुफ ने अपने भाईयों को जाने के लिए कहा। जब वे जाने को हुए थे यूसुफ ने उनसे कहा, “सीधे घर जाओ और रास्ते में लड़ना नहीं।”

25

וַיַּעֲלוּ	מִמִּצְרָיִם	וַיָּבֹאוּ	אֶרֶץ	כְּנַעַן	אֶל־	יַעֲקֹב	אֲבִיהֶם׃
और-चढ़े	मिस्र-से	और-आए	देश	कनान-के	की-ओर	याकूब-के	पिता-अपने
H5927	H4714	H0935	H0776		H0413	H3290	H0001

> इस प्रकार भाईयों ने मिस्र को छोड़ा और कनान देश में अपने पिता के पास गए।

26

וַיַּגִּדוּ	לוֹ	לֵאמֹר	עוֹד	יוֹסֵף	חַי	וְכִי־	הוּא	מֹשֵׁל	בְּכָל־	אֶרֶץ	מִצְרָיִם
और-बताया	उसे	कहते-हुए	अभी	यूसुफ़	जीवित-है	और-कि	वह	शासक-है	सब-पर	देश	मिस्र-के
H5046		H0559	H5750	H3130			H1931	H4910	H3605	H0776	H4714

וַיָּפָג	לִבּוֹ	כִּי	לֹא־	הֶאֱמִין	לָהֶם׃
और-शुन्न-हो-गया	मन-उसका	क्योंकि	नहीं	विश्वास-किया	उनका
H6313			H3808	H0539	

> भाईयों ने उससे कहा, “पिताजी यूसुफ अभी जीवित है और वह पूरे मिस्र देश का प्रशासक है।” उनका पिता चकित हुआ। उसने उन पर विश्वास नहीं किया।

27

וַיְדַבְּרוּ	אֵלָיו	אֵת	כָּל־	דִּבְרֵי	יוֹסֵף	אֲשֶׁר	דִּבֶּר	אֲלֵהֶם	וַיַּרְא	אֶת־
और-कहा-उन्होंने	उससे	को	सब	बातें	यूसुफ़-की	जो	कही-थीं	उनसे	और-देखा-उसने	को
H1696	H0413	H0853	H3605	H1697	H3130		H1696	H0413	H7200	H0853

הָעֲגָלוֹת	אֲשֶׁר־	שָׁלַח	יוֹסֵף	לָשֵׂאת	אֹתוֹ	וַתְּחִי	רוּחַ	יַעֲקֹב	אֲבִיהֶם׃
गाड़ियों	जो	भेजी-थीं	यूसुफ़-ने	उठाने-के-लिए	उसे	और-जी-उठी	आत्मा	याकूब-की	पिता-उनके
H5699		H7971	H3130	H5375	H0853	H2421	H7307	H3290	H0001

> किन्तु यूसुफ ने जो बातें कहीं थी, भाईयों ने हर एक बात अपने पिता से कही। तब याकूब ने उन गाड़ियों को देखा जिन्हें यूसुफ ने उसे मिस्र की वापसी यात्रा के लिए भेजा था। तब याकूब भावुक हो गया और अत्यन्त प्रसन्न हुआ।

28

וַיֹּאמֶר	יִשְׂרָאֵל	רַב	עוֹד־	יוֹסֵף	בְּנִי	חָי	אֵלְכָה	וְאֶרְאֶנּוּ	בְּטֶרֶם	אָמוּת׃
और-कहा	इस्राएल-ने	बहुत-है	अभी	यूसुफ़	बेटा-मेरा	जीवित-है	जाऊँगा-मैं	और-देखूँगा-उसे	पहले-कि	मरूँ
H0559	H3478		H5750	H3130			H3212	H7200	H2962	H4191

> इस्राएल ने कहा, “अब मुझे विश्वास है कि मेरा पुत्र यूसुफ अभी जीवित है। मैं मरने से पहले उसे देखने जा रहा हूँ।”